

①

## अन्त्याक्षरी

- आराध्य की मेरी वन्दना, बिराजित मुनिष्ठी  
 को मेरा वन्दन, उपास्थित धर्म परिवार,  
 अन्त्याक्षरी की प्रतिभो गिता शुरू होने जा रही है,
- [1] अन्त्याक्षरी 5 राउण्ड में डिवाइड है,
  - [2] अन्त्याक्षरी में सभी गीत लयबद्ध होने चाहिये,
  - [3] हर राउण्ड के अलग-अलग नियम हैं, जो राउण्ड शुरू होने से पहले बता दिए जायेंगे।
  - [4] टाइम का विशेष ध्यान रखें।
  - [5] सोच समझकर उत्तर दें, अगर उत्तर गलत हुआ और टाइम से पहले सही किया तो मान्य होगा।
  - [6] उठ ही व्यक्ति खड़ा होकर गायेगा, निचे बैठे व्यक्ति नहीं गायेगे।
  - [7] आन्तिम निर्णय मुनिष्ठी का मान्य होगा, सभी से Request है कि कोई भी अपना निर्णय न दे।

## Round-I

- [1] ~~गाना~~ गाना Repeat नहीं किया जायेगा,
- [2] उठ भी शब्द की गलती नहीं चलेगी,
- [3] आपके पास 15 sec का Time है.
- [4] केवल मुखड़ा गाना है, मुखड़ा पूरा होना चाहिये.  
 सही गाने पर +10 अंक दिये जायेंगे। पहले राउण्ड में मुक्ताक व दोहे चलेने का उपयोग कर सकते हैं। मुनिष्ठी के निर्देशानुसार एक बार ग्रुप के हर सदस्य को बोलना अनिवार्य है। आप आपस में चर्चा कर सकते हैं।



## Round II

निर्भर:- आपको तीन शब्द दिये जायेंगे।

तीनों शब्द एक ही पैरेग्राफ में मिलेंगे।

शब्द बताने के बाद 15 सेक. का टाइम मिलेगा

[1] दीपाजी, राजस्थान, मानवता ✓ ध्यान (52) A  
" यहाँ सुहावो माता दीपा जी रा जाभा

[2] चैतन्य, पुण्य, मन, ✓ → (8) A  
चैतन्य पुरुष जग जाण,

[3] महावीर, निरन्तर, भगवान, → (13) A  
जम महावीर भगवान, मन मन्दिर.....

[4] बीज, सुमन, सौरभ, ✓ → (27) A  
कल्पतरु रा बीज फल्यो, बलिदानां....

[5] सुबह, संकट, जाँवला ✓ → (28) A  
सुबह-सुबह उठकर भिक्षु.....

[6] आंगणै, ध्यान, अन्तर, ✓ → (30) A  
सांवरिया स्वामीजी ! आओ आंगणे.....

[7] जगावां, झुंझु, पुणाम, ✓ → (36) A  
अलख जगावां स्वामिजी रे नाम.....

[8] आत्मा, परचो, शरणी, ✓ → (48) A  
भिक्षु-भिक्षु-भिक्षु मंदरी आत्मा.....



- (9) अन्तर्धर्मि, आसरी, विश्वास, → (45) A  
 भिक्षु स्वामी अन्तर्धर्मि .....
- (10) भाग्य, सक्षम, तारी, ✓ →  
 " तेरापथ री भाग्य विद्याता - - - - -
- (11) मेरु, ऊंचाई, साधना. → (50) A  
 स्वामिजी धांरी साधना री मेरु सी - - - - -
- (12) लक्ष, ऊंचा, विजय →  
 लक्ष है ऊंचा हमारा - - - - - चीरकर - - - - -  
 कठिनाइयों को दीप बन हम जगमगावें - ।
- X (13) मन्त्रों, बुद्धियों, आस्ती
- (14) नैतिकता, की सुर-सरिता, पावन →  
 नैतिकता की सुरसरिता में - - - - -
- 15 विनय, समेत, सचेत, अरहंताणं, → (1) A  
 श्रद्धा विनय समेत जमी - - - - -
- 16 तपसी, उठ-उठ, जपसी ✓ → (118) A  
 दोर तपसी है मुनि दोर तपसी  
 धारों नाम उठ-उठ जन भोर जपसी



## Round 11

मुखड़ा +0 अन्तरा राउण्ड  
आपको मुखड़ा दिया जायगा। आपको इस गीतिका का कोई भी अन्तरा गाना है अन्तरा सही होना चाहिये। जिस ग्रुप का हर्न है उस ग्रुप के सही गाने पर +10 व गलत गाने पर -5 होंगे। आपको 20 sec. की टाइम दिया जायेगा। गाना नहीं गाने पर 0 अंक दिया जायेगा। यह बोनस राउण्ड है इसलिये सभी मुखड़े का ध्यान से सुने। अगले ग्रुप की सोचने का टाइम नहीं दिया जायगा।

सही गाने पर +10 गलत गाने पर -10 इसलिये सोच समझकर गाये वरना पवड कर देवे।

इसमें दो राउण्ड होंगे दूसरे में अन्तरा दिया जायगा। आपको मुखड़ा पूरा गाना है अन्तरे की केवल छक लाइन सुनाई जायगी।

11) पंखीड़ा औ पंखीड़ा :- पेज न. (56)

12) म्हारै सांस सांस में बोले रे :- पेज न. (35)

13) जय महावीर भगवान :- पेज न. (13)

14) चैतम पुरुष जग जाख :- पेज न. (8)

15) जणा सुहवी माता दीपांजी :- पेज न. (52)



- 6 जय-जय श्री तुलसी गुरुवर :- पेज नं. (60)
- 7 वदना री लाल म्हानें .... पेज नं. (62)
- 8 कैसी वह कोमल काया ? :- पेज नं. (70)
- 9 सांव रिया स्वा मिजी भाओ .... " (30)
- 10 कृष्ण विनय समेत .... " (1)
- 11 (मन्त्राक्षर) स्वामी भीखवाजी री नाम " (46)
- 12 बदले युग की धारा :- पहली किरण - (17)

### अन्तरा 10 सुखडा

- 1 सिंह सपन स्यू आया माता ..... पेज (50)
- स्वामीजी ! धांरी साव्यना री मेरु सी कंघोई
- 2 दिन-रात डक सुन भाग्यो-भाग्यो छिरे है ..... (78)
- ई तन री .....
- 3 मानव तन रत्न मिला है ..... पेज (101)
- यह है जगने .....
- 4 तपस्या री जोत लेर देह न सुखारि है ..... " (110)
- बादालियो .....
- 5 आध्यात्मिक पथ के आधिनेता .... पेज नं. (1)
- धर्म संघ के जो संवाहक ....
- 6 कृष्ण विनय .....



(27)

6 दीपा सुत शासन सिरताज -----  
कल्पतरु रा बीज कल्या -----

7 शब्द-शब्द और श्वास-श्वास में भिक्षु री सणकार  
उठे ----- आओ-आओ ----- जज = (31)

8 निजर-पभार निहारं सामां. उभा दीसैं स्वामिजी  
म्हारे सांस-२ (35)

9 मरुवर री बीरो, कोहिनूर हीरो, चमक्यो देरा-पुदेरा  
आत्मख जगावां (36)

10 मन्त्राक्षर हैं नाम स्वाम री ----  
स्वामी भीखेवाजी री नाम (46)

11 शोभजी भावठ ने नाथद्वारा जेल ----  
भिक्षु - भिक्षु - भिक्षु ----- (48)

12 सिंह - सपन स्युं आया मत्ता - दीपां हैं प्रागण में  
स्वामीजी ! धांरी साबनारी ---- (50)





## Round 4.

इस राउण्ड में आपको इक पुरान दिया जायेगा उसका उत्तर 20 Sec. में देना है। सही गाने पर +20 गलत गाने पर -20 यह भी बोनस राउण्ड है, गीत न आने पर आगे वाली टीम को पास कर देवे। उनके सोचने का टाइम नहीं दिया जायेगा।

सही गाने पर +20 गलत गाने पर -15 होजे। इसाधिये सोच - समझकर ही गाना गाइ अन्मथा पयइ कर देवे

1. ऐसा गीत जिसमें तुलसी का नाम 7 बार आता है।

तुलसी - 5 तुलसी पेज = (69)

2. ऐसा गीत जिसमें इटली, तारवान, जापान नाम आते चमकें --- देरबण मैं लोग ---

(58)

3. ऐसा गीत जिसमें भिक्षु का नाम 4 बार आता है  
भिक्षु - 3 भिक्षु से मैं

(48)

4. ऐसा गीत जिसमें अई - 6 बार आता है  
अ - 11 अई - 6 आता

पेज (8)

5. ऐसा गीत जिसमें (मारे) शब्द तीन बार आता है  
वदना से लाल ---

(62)

6. ऐसा गीत जिसमें, राजस्थान, हिन्दुस्तान शब्द आते हैं

(52)



ઘળા સુહાવો માતા -----

(52)

૧૭) ડેસા ગીત જિસમેં સ્વામીજી-૨ દો બાર  
શબ્દ આતે હો :- મ્હારે સાંસ મેં

પેજ નં.

(35)

૮ ડેસા ગીત જિસમેં તપસી શબ્દ ચાર (૫)  
બાર આતા હો

પેજ (118)

✓ ઘોર તપસી -----

૯ ડેસા ગીત જિસમેં નિહારા શબ્દ દો  
બાર આતા હો = નિહારા લુમકો -----

(54)

૧૦

ડેસા ગીત જિસમેં ચલિ-ચાલ, બોર ભાલિ-ભાલિ  
શબ્દ આતે હો

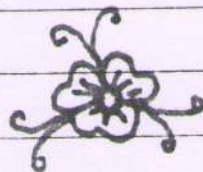
(142)

કહે કિશનોજી ચલિ-ચાલ

ભારી માલ ભીખગજી ધારેં કાંઈ લાગે

કાટે આઘ્યા ભાલિ-ભાલિ ભારી માલ

ભીખગજી ધારે કાંઈ લાગે





(ओडियन्स राऊण्ड)

① सुमरो महामंत्र नवकार

ओ हो करसी भवजल पार

इस गीत के रचयिता का नाम बताओ

Ans मुनि अर्हत कुमार जी

[22] पुछो तुम्हारे पावन पथ पर जीवन अर्पण है साय

इस गीत के रचयिता कौन है।

Ans आचार्य जी तुलसी

[30] चतुर्षु पुरुष जग जाडा :-

इस गीत के रचयिता का नाम बताओ

आचार्य जी महाप्रजापति

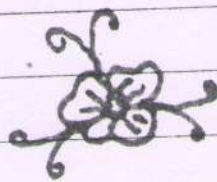
4 ऐसा गीत जिसमें भिक्षु के तीन नाम आते हो

स्वामी भीखन जी से नाम भूखेंधाम

खावां, बाबलिये से उपकार किये भूल ज्वावां

सांवरियो भारे इन रं रम्यो है

पल-2 दिन स्मृति सरसावां





(धुनराऊल)

- (गीतका मुखड़ा) - (पेज नं.) - (अर्थ)
- ① श्रीसु स्वामी अन्तेशामी - (45) - मिछी न लुमसे -
  - ② तेरा पंथ से भाग्य विधाता - - - - - जंगल जी से फणी -
  - ③ तेरे सरी है रात बाबा - (140) - फिरोन की है रात बाबा -
  - ④ प्रभो यह तेरा पंथ महान - - - - -  
महाप्राण गुरुदेव - (40) -
  - ⑤ हमारे सांस-सांस में बोलें रे - (35) -
  - ⑥ कहें किसानों जी वास-वास - (142) - चान्दी की दीवार -
  - ⑦ परकीड़ा रे लू उड़ीन ज्यारण - (56) -
  - ⑧ गुरुदेव अम्बानक आप कहने - (65) -  
बंदना से वास कहने - (62) -
  - ⑨ आपणे भागा री के - (63) -
  - ⑩ चमके दुनिया में देखो - (58) -
  - ⑪ जीशला से जायोरो - (19) - मखरासो देपरीयो -
  - ⑫ हमारे भाग्य बड़े बखवान - (125) - वना मन मंदीर -
  - ⑬ चेत्य पुरुष जग जाये - (8) - नैतीकला की सुर -  
संयम मय जीवन हो -
  - ⑭ श्री पार्श्वदेव वरुणों में (9) -
  - ⑮ कहें सु आम्हो मोची (44) - कहें सु आम्हो सुह -